नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 072
दि. 11.07.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सीएम योगी ने पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह चौहान की प्रतिमा का किया अनावरण, बीकापुर के विकास का दिया भरोसा

(जीएनएस)।

अयोध्या। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के पूर्व सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्व. मुन्ना सिंह चौहान की प्रतिमा का अनावरण किया और उस पर पुष्पार्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने कहा कि सामान्य परिवार में जन्मे मुन्ना सिंह चौहान संघर्ष के बल पर आगे बढ़े।

उन्होंने उत्तर प्रदेश में सिंचाई विभाग के सफल क्रियान्वयन, किसानों के उन्नयन के लिए जीवन समर्पित किया। उन्होंने अमित सिंह चौहान को अपनी विरासत सौंपी। वह भी पिता के सपनों को साकार करने, बीकापुर का विकास करने और डबल इंजन सरकार के विजन को धरातल पर उतारने के लिए मां के सान्निध्य में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वह हमारे सामने हर समस्या लाते हैं और हम उसका समाधान कराते हैं।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर वीर-वीरांगनाओं, महापुरुषों के परिधानों में सजे बच्चों का उत्साहवर्धन किया। बच्चों में भक्ति व देशभक्ति की भावना का संचार किया। उन्होंने बच्चों से हंसी-ठिठोली भी की। मुख्यमंत्री ने हाथ में सेब लेकर भगत सिंह बने बच्चे से पूछा कि यह आलू है क्या, इस पर बच्चों ने तपाक से उत्तर दिया नहीं, सेब है। मुख्यमंत्री ने बच्चों को उपहार व चॉकलेट भी वितरित कीं।

मुख्यमंत्री ने किया दर्शन-पूजन

मुख्यमंत्री भगवान शिव के मंदिर में भी पहुंचे। सीएम योगी ने यहां

दर्शन-पूजन किया। उन्होंने भोले भंडारी से स्वस्थ, सुखी व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की।

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को किया सम्मानित

अनुराधा दुबे व अंजू- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 11 करोड़ से अधिक का चेक

वर्षा- विद्युत सखी को थर्मल प्रिंटर

किरण- विद्याशक्ति किट

पूजा सिंह- विद्याशक्ति किट

अनिता पाल- बैंक सखी प्रमाण पत्र

सोनी मौर्या- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत चाबी

पिंकी- मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत चाबी

अवनीश मिश्र- सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 4.18 लाख का चेक

अमित गौतम- सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 3 लाख का चेक

शिवपूजन- पीएम सूर्य घर योजना लाभार्थी प्रशस्ति पत्र

पंकज कुमार- विश्वकर्मा श्रम सम्मान के तहत टूलकिट

विकास- विश्वकर्मा श्रम सम्मान के तहत टूलकिट

आलोक कुमार वर्मा- उर्वरा वर्मी कंपोस्ट खाद

अशोक कुमार- उर्वरा वर्मी कंपोस्ट खाद

रीता सिंह- आयुष्मान कार्डमहावीर सिंह- आयुमान कार्ड

'भगवा बाना पहन कर आपके साथ कांवड़ यात्रा में निकलने की प्रतीक्षा'; अखिलेश पर सीएम योगी ने कसा तंज

सीएम योगी आदित्यनाथ ने अखिलेश यादव के सॉफ्ट हिंदुत्व वाली राजनीति पर घेर लिया है। उन्होंने भगवा बाना पहन कर कांवड़ यात्रा में निकलने की प्रतीक्षा वाला तंज कसा है।

(जीएनएस)।

बस्तीः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बस्ती से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। दरअसल, अखिलेश यादव इन दिनों सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति करते दिख रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की हिंदुत्व पॉलिटिक्स की काट को वे अपनी अलग रणनीति से साधने की कोशिश में हैं। पिछले दिनों उन्हें शंकराचार्य स्वामी अभिमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के चरणों में बैठा देखा गया। इसकी तस्वीर पर खूब चर्चा हुई है। सीएम योगी आदित्यनाथ अब इस मामले में अपने ही अंदाज में हमलावर रुख अपनाते दिख रहे हैं। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान समाजवादी पार्टी अध्यक्ष भगवा बाना पहनकर कावड़ उठाते दिख सकते हैं।

सीएम योगी ने क्या कहा?

जब अयोध्या से सरयू मैया से जल लेकर के लोग बस्ती के बाबा भदेश्वर नाथ धाम तक जलाभिषेक करने जाते हैं तो हम लोग ऊपर से हेलीकॉप्टर से ऊपर पुष्प वर्षा करते हैं। सीएम ने कहा कि इसी कांवड़ यात्रा को समाजवादी पार्टी की सरकार ने रोक लगा दी थी। वह कांवड़ यात्रा नहीं होने देना चाहते थे। वे दुर्गा पूजा में रोक लगाते थे। श्री कृष्ण जन्माष्टमी नहीं मानने देते थे। चौरासी कोसी परिक्रमा पर रोक लगाते थे। सीएम ने कहा कि अब कोई रोक नहीं लग सकता। अब तो आपकी ताकत उन्हें दिख रही है।

सीएम योगी ने इसके बाद अपने ही अंदाज में कहा कि आप जब अयोध्या धाम में दर्शन करने के लिए जाते हैं। आप कांवड़ यात्रा निकलते हैं। मुझे लगता है कि अब आने वाले समय में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष भी भगवा बाना पहनकर आपके साथ कावड़ यात्रा में शामिल होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनको लगता है कि कोई उनका बुलावा दे दे तो वह भी जाएं और पुष्प वर्षा करें। सीएम योगी ने कहा कि अब उनको माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने जो हनुमानगढ़ी के पवित्र धाम की सीढ़िया पर किया था, उस पाप के लिए माफी मांगनी चाहिए।

माफी मांगने की कही बात

सीएम योगी ने कहा कि जय श्री राम बोलने, परशुरामपुर के दंगों, कारसेवकों पर गोली चलाने और उन सभी घटनाओं पर, जिसमें निर्दोष हिंदू प्रताड़ित हुआ था, उसके लिए उनको माफी मांगनी चाहिए। राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण का जिक्र किए बिना सीएम योगी ने कहा कि आज जो लोग आस्था की बात कर रहे हैं, उन्होंने हिंदुओं की आस्था के साथ कितना खिलवाड़ किया है, किसी से छिपा नहीं है। आज डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार अनवरत रूप से विरासत और विकास के कार्यक्रम को लेकर के आगे बढ़ रही है।

क्षेत्र के विकास की चर्चा

सीएम योगी ने कहा कि जितनी तेजी के साथ पिछले 9 वर्ष में हरैया ने विकास किया है, आजादी के बाद कभी नहीं हो पाया था। जो असंभव था, वह संभव हुआ है। कप्तानगंज में पिछले सवा 9 वर्ष में विकास के जितने काम हुए, वह पहले नहीं हुए थे। पहले की योजनाएं ठप पड़ी हुई थीं। सीएम ने कहा कि सपाइयों में विकास की रुचि नहीं थी। उनके लिए तो अपना स्वयं का विकास ही प्रदेश का विकास मान लिया जाता था। ये लोग कब्जा करने में माहिर थे। वे विकास में क्या रुचि ले पाएंगे।

दुर्योधन-दुशासन से की तुलना

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहन-बेटियों पर बुरी नजर डालने वालों की तुलना दुर्योधन-दुशासन से की। सीएम ने कहा कि सपाई सुरक्षा में सेंड लगाने में बड़े माहिर होते हैं। एक कहावत ही चल पड़ी थी कि 'देख सफाई बिटिया घबराई'। जो बहन और बेटी की सुरक्षा के लिए खतरा बन जाए, उसकी तुलना तो केवल दुर्योधन और दुशासन से ही हो सकता है। अब कोई इस प्रकार की हरकत नहीं कर सकता है। पुलिस के डंडे ने ऐसे लोगों को शांत किया। सीएम योगी ने कहा कि पहले हर मौके पर दंगा करवाया जाता था।

सीएम ने कहा कि बस्ती में दंगा होता था। दुर्गा पूजा के समय दंगा, होली के समय दंगा, रामनवमी के समय दंगा। परशुरामपुर की घटना का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि मुझे यहां गोरखपुर से आना पड़ा था। वहां दलितों-गरीबों की पूरी की पूरी बस्ती जला दी गई थी। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय कोई पूछने वाला नहीं था। अब दंगा नहीं होता है। बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने का कोई दुस्साहस नहीं कर सकता। अगर करेगा तो उसे मालूम है, अगले चौराहे पर यमराज उनका इंतजार कर रहे होंगे।

खिरौनी-सुचितागंज नगर पंचायत का नाम 'मां ज्वाला जी'; सीएम योगी की घोषणा पर क्या बोले मनोज पांडेय

अयोध्याः उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर दान चोरी विवाद के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बीकापुर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व मंत्री दिवंगत मुन्ना सिंह चौहान की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने दो ग्राम पंचायतों का नाम बदलने की घोषणा की है। खिरौनी-सुचितागंज नगर पंचायत को अब 'मां ज्वाला देवी' के नाम से जाना जाएगा। वहीं, भदरसा नगर पंचायत का नाम 'भरत नगर' किए जाने की घोषणा सीएम योगी ने की है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या दौरे के दौरान खिरौनी-सुचितागंज नगर पंचायत का नाम बदलने के कारणों का जिक्र किया।

एंडी बर्नहम जो बनने जा रहे हैं ब्रिटेन के नए पीएम, 322 लेबर सांसदों का समर्थन

ब्रिटेन को जल्द ही नया प्रधानमंत्री मिलने जा रहा है। सत्तारूढ़ लेबर पार्टी के नए नेता के चुनाव की औपचारिक

प्रक्रिया की शुरूआत गुरुवार(09 जुलाई 2026) से हो गई है। रेस में एंडी बर्नहम सबसे आगे चल रहे हैं। वे लेबर पार्टी के सांसदों की पहली पसंद बन कर उभरे हैं।

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर को है, उन्हें 323 नॉमिनेशन की जरूरत है जिसके बाद उनका प्रधानमंत्री बनना लगभग तय हो जाएगा। वहीं उनके समर्थक कुछ सांसद कल वोट नहीं कर पाए थे।

अखिलेश यादव को पसंद नहीं आया सीएम योगी आदित्यनाथ का अयोध्या में दिया ये बयान, कहा- पराजय काल...

(जीएनएस)।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर टिपण्णी की है जिसमें उन्होंने हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज कराए जाने का दावा किया था. पूर्व सीएम ने बिना मुख्यमंत्री के बयान का जिक्र करते हुए लिखा- पराजय-काल विपरीत बुद्धि!

दरअसल, सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में कहा था कि इन लोगों ने हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाई थी, लेकिन क्या सपा, कांग्रेस या अन्य सरकारें जामा मस्जिद में हनुमान चालीसा का पाठ करवा पाएंगी. यदि नहीं करा पाएंगी तो हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों कराया गया था? आस्था का दिखावा कर रहे लोगों ने यह पाप किया था, जबकि भाजपा ने अयोध्या को सनातन धर्म की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में

स्थापित किया.

सीएम योगी ने और क्या कहा?

सीएम ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग एयरपोर्ट के नाम पर गुमराह करते थे, लेकिन अब महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन गया है. अयोध्या सभी शहरों के साथ जुड़ गई है. सपा व कांग्रेस वाले कुछ नहीं कर पाए, इसलिए अयोध्या का विरोध कर रहे हैं. डबल इंजन सरकार ने निषादराज के नाम पर रैनबसेरा और मां शबरी के नाम पर भोजनालय बनवाकर समरसता फैलाई. हरिद्वार में हरि की पैड़ी की तरह ही अयोध्या में राम की पैड़ी दिख रही है. रोज सरयू मैया की आरती होती है. सपा जिस वक्फ के नाम पर श्रृंगवेरपुर में कब्जा करा रही थी, भाजपा सरकार ने वहां भगवान राम व निषादराज के मिलन की भव्य प्रतिमा व स्मारक बनाया है. सपा के लोग जाकर देखें कि श्रृंगवेरपुर सौंदर्यीकरण की नई ऊंचाइयों तक पहुंच गया है.

दिसंबर में बांग्लादेश जाएंगी शेख हसीना, 663 मुकदमे कर रहे इंतजार, कितनी होगी सजा?

(जीएनएस)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत से एक बहुत बड़ा ऐलान किया है। अपने ताजा बयान में शेख हसीना ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस साल दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगे। हसीना ने कहा कि उन्हें पता है कि उनका अंजाम क्या होगा, यह जानते हुए भी वह बांग्लादेश जाएंगी।

वो मुझे मार भी सकते हैं- हसीना

रॉयटर्स को दिए एक एक्सक्लूसिव टेलीफोनिक इंटरव्यू में शेख हसीना ने साफ किया कि वह और उनकी पार्टी के नेता स्वेच्छा से अपने देश लौटना चाहते हैं और खुद कोर्ट के सामने पेश होना चाहते हैं। वह देखना चाहती हैं कि बांग्लादेश की नई व्यवस्था देश के सबसे बड़े विपक्षी नेता के साथ कैसा बर्ताव करती है। हसीना यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने आगे कहा, "मेरे लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, यहां तक कि मार भी सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही होगा। मेरे पार्टी लीडर्स और कार्यकताओं पर भारी अत्याचार हो रहा है। अगर मौत आनी ही है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी मिट्टी पर आए, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।"

शेख हसीना पर कितने मुकदमे?

फरवरी 2026 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश ने एक रिपोर्ट निकाली थी, जिसके मुताबिक जुलाई 2025 से नवंबर 2025 तक चले विद्रोह में कई लोग मारे गए थे। इसमें आम प्रदर्शनकारियों की हत्या समेत कुल 1785 मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें से 663 मुकदमे अकेले शेख हसीना पर दर्ज किए गए। इन मुकदमों में से 453 मामले केवल हत्या के हैं जो हसीना के नाम पर दर्ज हैं। जब ये मुकदमे दर्ज किए तब शेख हसीना भारत की शरण में थीं, इसलिए उन्हें बुलाने के लिए इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के मार्फत वारंट भी जारी कराया गया। लेकिन उनका प्रत्यर्पण नहीं हो सका।

कितने मामलों में कोर्ट में पेश हो चुकी चार्जशीट

मामले भले ही 1785 हों, लेकिन चार्जशीट सिर्फ 106 मामलों में पेश हो सकी है। इन मामलों में 31 मामले मर्डर के हैं। जिसके लिए हसीना की पार्टी आवामी लीग के 128 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है।

नो मोर इंडियंस पीएम मोदी के होटल के हंगामा करने लगा युवक, एक्शन में आई ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने दबोचा

(जीएनएस)।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में एक युवक ने 'नो मोर इंडियंस' के नारे लगाकर हंगामा करने की कोशिश की. युवक पहले पीएम मोदी के होटल तक पहुंचा और फिर मार्वल स्टेडियम में भी कार्यक्रम बाधित करने की कोशिश की. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है.

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ठहरे हुए हैं, उसके बाहर एक युवक ने हंगामा करने की नाकाम कोशिश की है. हालांकि, एक्शन में आई ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इस शख्स को दबोच लिया है. इस घटना के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेलबर्न में तय सभी कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के पूरे हो गए हैं.

मेलबर्न में पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के दौरान एक युवक ने नो मोर इंडियंस के नारे लगाकर कार्यक्रम को बाधित करने की कोशिश की थी.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम मोदी मेलबर्न के जिस होटल में ठहरे हुए थे, उसके बाहर एक 22 साल का युवक हंगामा करने लगा. वह जोर-जोर से 'नो मोर इंडियंस'चिल्ला रहा था. उसका कहना था कि यह ऑस्ट्रेलिया है और हमें अब और भारतीय प्रवासी नहीं चाहिए. यह देश सिर्फ ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए है.

बताया जा रहा है कि युवक सोशल मीडिया पर 'ऑस्पिल'नाम से एक टिव है. बाद में, उसकी पहचान 'गो लेनन के तौर पर हुई है. ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के अनुसार, वह दक्षिणपंथी विचारों से जुड़ा एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है. पहले भी प्रवासियों के विरोध में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुका है.

विक्टोरिया पुलिस के अनुसार, बुधवार देर रात करीब 12:30 बजे एक 22 वर्षीय युवक होटल पहुंचा और नारे लगाने लगा. पुलिस ने बिना देरी किए उसे वहां से हटा दिया.

क्या कांवड़ यात्रा पर जाएंगे अखिलेश यादव, सीएम योगी आदित्यनाथ का दावा

अयोध्याः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बस्ती की जनसभा में दावा किया कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव भी कांवड़ लेकर निकल सकते हैं। दरअसल,

अखिलेश यादव की सॉफ्ट हिंदुत्व वाली राजनीति को लेकर सीएम योगी ने अखिलेश पर तंज कसा। सीएम ने कहा कि आप लोगों की ताकत को देखकर वे भगवा बाना पहन कर कांवड़ यात्रा पर निकलने को तैयार बैठे लग रहे हैं। साथ ही, उन्होंने अखिलेश यादव से हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले कार्यों के लिए माफी मांगने की बात कही है।

'कानून हाथ में न लें', मेरठ प्रदर्शन पर बोलीं मायावती

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की पूर्व उट और बसपा प्रमुख मायावती ने मेरठ की ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर हुए प्रदर्शन पर बड़ा बयान दिया है। मायावती ने दलित समाज से कानून हाथ में न लेने की अपील की और कहा कि अन्याय के खिलाफ लड़ाई कानून के दायरे में रहकर ही लड़नी चाहिए।

इरढ अध्यक्ष मायावती ने कहा कि, कुछ संगठन या पार्टियां पिछड़े वर्गों के लोगों को गुमराह करके अपने राजनीतिक फायदे के लिए सड़कों पर उतारती हैं। जिससे हिंसा, अफरा-तफरी या सड़क जाम जैसे हालात पैदा होते हैं। फिर उनके नेता घटना वाली जगह पर पहुंचकर झूठे आंसू बहाते हैं और राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

बसपा अध्यक्ष मायावती ने आगे कहा कि, इससे पीड़ितों को न्याय नहीं मिलता, बल्कि इन समुदायों की मुश्किलें और परेशानियां और बढ़ जाती हैं। ऐसे में, उनकी समस्याओं का समाधान बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिखाए गए सही और शांतिपूर्ण रास्ते पर चलने में है, यानी एकता और वोट की ताकत से सत्ता की 'मास्टर-की' हासिल करना। यही तमाम मुश्किलों का एकमात्र उपाय है, और इरढ इसी लक्ष्य को पाने के लिए लगातार प्रतिबद्ध और सक्रिय है।

क्या है मामला? जो भड़की मायावती

दरअसल, मेरठ में हुए ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर हुए प्रदर्शन ने बुधवार को हिंसक रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति कमिश्नर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक सड़क जाम कर दी, डीएम कार्यालय के गेट को नुकसान पहुंचाया और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। करीब छह घंटे तक चले हंगामे से आम लोगों को भारी परेशानी हुई। पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर कई अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसी घटना के बाद से यूपी में राजनीति गर्म हो गई है।

पुलिस बोली- माहौल बिगाड़ने की साजिश

वहीं हिंसक प्रदर्शन पर पुलिस ने कहा कि, प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश फैलाकर जातीय तनाव पैदा करने की कोशिश की गई। इस मामले में साइबर टीम भी जांच में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के कारण दो एंबुलेंस जाम में फंस गईं और 11 पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

15 मई 2026: बीए (BA) की छात्रा ललिता गौतम कॉलेज की परीक्षा देने के बाद अचानक लापत हो गई, जिसके कुछ दिन बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई

मई 2026: परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। मुख्य आरोपी अंकुश को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

प्रतापगढ़ में 160 स्कूल वाहनों के परमिट नहीं मिले:डीएम ने सड़क सुरक्षा बैठक में अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए

(जीएनएस)।

प्रतापगढ़ में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने स्कूल वाहनों की सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन और सड़क दुर्घटनाओं में मदद करने वाले लोगों के सम्मान जैसे मुद्दों पर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

विकास भवन सभागार में शुक्रवार शाम जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति और विद्यालय यान समिति की बैठक हुई। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि जिले के 160 विद्यालयों के वाहनों के पास परमिट नहीं है।

जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिए कि वे विशेष शिविर लगाकर सभी विद्यालयों के वाहनों के परमिट सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना फिटनेस और निर्धारित मानकों वाले स्कूल वाहन किसी भी स्थिति में संचालित नहीं होने चाहिए। ऐसे वाहन पाए जाने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में दोस्ती कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल, सैफाबाद के वाहन दुर्घटना प्रकरण का भी जिक्र किया गया। संबंधित वाहन मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने विद्यालय के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, विद्यालय की बाउंड्री पर नोटिस चस्पा करने और अभिभावकों को विद्यालय की मानकहीन स्थिति की जानकारी देकर बच्चों को अन्य विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की सलाह देने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में यह भी बताया गया कि चिन्हित किए गए गुड सेमेरिटन (नेक मददगार) को अभी तक सम्मानित नहीं किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और एआरटीओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगली बैठक तक सम्मान की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, 20 या उससे अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लाइसेंस धारकों को चिन्हित कर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। ट्रांसपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह ने शहर के जर्जर भवनों का मुद्दा उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने नगर निकायों को ऐसे भवनों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को तेज रफ्तार, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना, एआरटीओ ए.के. शुक्ला, अधिशासी अभियंता ओ.पी. चौरसिया, ईओ नगर पालिका राकेश कुमार, ट्रांसपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

तीन उद्यमियों-समाजसेवियों को सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि, परिजनों को बंधाया ढांढस

(जीएनएस)।

गोरखपुर,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में दिवंगत उद्योगपति व समाजसेवी ओमप्रकाश जालान, बालकृष्ण सराफ और दर्शन देवी के आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की, ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर के तीन उद्यमियों-समाजसेवियों ओमप्रकाश जालान, बालकृष्ण सराफ और दर्शन देवी के घर जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने गोरक्षपीठ के प्रति अगाध आस्था रखने वाले तीनों दिवंगतजन की उद्यमिता, कारोबार, समाजसेवा और सांस्कृतिक जागरण में योगदान को याद किया और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री सबसे पहले जंगल नकहा नंबर दो स्थित ओमप्रकाश जालान के आवास पर जाकर पहुंचे। पूर्वांचल के प्रतिष्ठित उद्योगपति और समाजसेवी रहे ओमप्रकाश जालान का 8 जुलाई को निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय जालान के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और शिवावतार महायोगी गोरखनाथ जी से उनकी आत्मा को चिर शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने स्वर्गीय जालान की पत्नी पूनम जालान, पुत्रों अनुज जालान, तनुज जालान व अन्य परिजनों से भी मुलाकात की। आत्मीयता से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोलघर के गांधी गली स्थित बालकृष्ण सराफ के घर आए। कारोबारी, समाजसेवी और राम मंदिर आंदोलन के समर्पित कार्यकर्ता रहे बालकृष्ण सराफ का 4 जुलाई को निधन हो गया था। सीएम योगी ने स्वर्गीय सराफ के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने स्मृतिशेष सराफ के पुत्रों अतुल सराफ, अनूप सराफ और अन्य परिजनों से आत्मीयतापूर्ण संवाद किया और उन्हें ढांढस बंधाया।

शोक संवेदना व्यक्त करने के क्रम में सीएम योगी गीता प्रेस के ट्रस्टी देवीदयाल अग्रवाल के हरिओम नगर स्थित आवास पर भी गए। उन्होंने 8 जुलाई को गोलोकवासी हुई देवीदयाल की माता दर्शन देवी पत्नी स्वर्गीय बैजनाथ अग्रवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय दर्शन देवी के पुत्रों दीनदयाल अग्रवाल, देवीदयाल अग्रवाल, माधव प्रसाद अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, हरि अग्रवाल और अन्य परिजनों से बातचीत कर अपनी संवेदना व्यक्त की तथा उन्हें ढांढस बंधाया।

तंबू के नीचे किशोर का शव रखकर धरने पर बैठे आक्रोशित परिवार के लोग, प्रतापगढ़ के डीएम को बुलाने की मांग की

(जीएनएस)।

कंधई (प्रतापगढ़)। कोनी गांव में आठ जुलाई को किशोर की हत्या कर दी गई थी। इससे परिवार के लोगों में गहरा आक्रोश है। पोस्टमार्टम के बाद नौ जुलाई को किशोर का शव घर लाए जाने के बाद से स्वजन सहित ग्रामीण घर के सामने टेंट लगाकर शव रखकर धरना दे रहे हैं। आज शुक्रवार को भी धरना जारी है। अपनी मांगों को लेकर परिवार के लोग प्रतापगढ़ के डीएम को बुलाने की मांग कर रहे हैं।

अड़े लोग कोनी गांव निवासी पृथ्वीपाल

डीएम को बुलाने की मांग पर पटेल के 14 वर्षीय पुत्र की जमीन के विवाद में पड़ोसियों ने बुधवार को हत्या कर दी थी। शुक्रवार सुबह कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी, सदर विधायक राजेंद्र मौर्य तथा पूर्व विधायक नागेन्द्र उर्फ मुन्ना यादव ने कोनी गांव पहुंच कर किशोर के स्वजन को अंतिम संस्कार के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। किशोर के स्वजन डीएम को बुलाने पर मांग पूरी होने पर ही अंतिम संस्कार की बात कर रहे हैं।

सीएम योगी के बयान से फिर चर्चा में आया 2003 का हनुमानगढ़ी रोजा इफ्तार, आखिर क्या था पूरा मामला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे के दौरान दिए गए एक बयान के बाद करीब दो दशक पुरानी घटना फिर चर्चा में आ गई. योगी ने कहा कि पहले हनुमानगढ़ी में कुछ लोग रोजा इफ्तार करवाते थे. उनके इस बयान के बाद साल 2003 में आयोजित उस रोजा इफ्तार कार्यक्रम को लेकर फिर बहस शुरू हो गई है, जिसे उस समय सांप्रदायिक सौहार्द और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल बताया गया था. आखिर वह आयोजन कब, क्यों और किन परिस्थितियों में हुआ था, आइए जानते हैं पूरी कहानी.

अयोध्याः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या दौरे पर थे उस दौरान उन्होंने एक बड़ा बयान सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी को लेकर दिया. जिसमें उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ी में कुछ लोग पहले रोजा इफ्तार करवाते थे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस बयान के बाद एक बार फिर साल 2003 की घटना अयोध्या में चर्चा का विषय बन गई है. तो चलिए इस रिपोर्ट में विस्तार से समझते हैं.

दरअसल वर्ष 2003 में अयोध्या में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित एक रोजा इफ्तार कार्यक्रम काफी चर्चा में रहा था. उस समय हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ महंत और तत्कालीन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत ज्ञान दास ने अपने आवास पर रोजा इफ्तार का आयोजन कराया था. यह आयोजन उस दौर में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल के रूप में देखा गया था.

बताया जाता है कि शुरूआत में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर रोजा इफ्तार कराने की योजना थी.लेकिन स्थानीय संत-महंतों के विरोध के बाद तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने वहां आयोजन की अनुमति नहीं दी. इसके बाद महंत ज्ञान दास ने अपने आवास पर ही रोजा इफ्तार का आयोजन कराया.

इस कार्यक्रम में बाबरी मस्जिद मामले के प्रमुख पक्षकार रहे हाशिम अंसारी भी शामिल हुए थे. उनके साथ सादिक अली और बाबू ट्रेलर सहित कई अन्य लोग भी रोजा इफ्तार में मौजूद रहे. उस समय यह आयोजन सामाजिक और धार्मिक सद्भाव का संदेश देने वाले कार्यक्रम के रूप में चर्चा का विषय बना था.

वरिष्ठ पत्रकार आनंद गुप्ता के अनुसार महंत ज्ञान दास के आवास पर आयोजित इस रोजा इफ्तार में विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया था. कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक सौहार्द, आपसी विश्वास और सामाजिक एकता को मजबूत करना था. अयोध्या लंबे समय से धार्मिक आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता के कई उदाहरणों की भी साक्षी रही है.

वर्ष 2003 का यह रोजा इफ्तार कार्यक्रम भी उन्हीं घटनाओं में शामिल माना जाता है, जिसमें अलग-अलग धर्मों के लोगों ने एक साथ बैठकर भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया था.आज भी इस आयोजन का उल्लेख अयोध्या में हिंदू-मुस्लिम एकता और सामाजिक सौहार्द की मिसाल के रूप में किया जाता है.उस समय हुए इस कार्यक्रम ने यह संदेश देने का प्रयास किया था कि आपसी संवाद, सम्मान और भाईचारा किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होते हैं.

'15 दिन में खुद तोड़ो वरना...', लखनऊ की जिस बिल्डिंग में गई 15 मासूमों की जान, एलडीए चलाने जा रहा बुलडोजर

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अलीगंज की उस बिल्डिंग को ध्वस्त करने का आदेश जारी कर दिया है, जिसमें 22 जून को आग लगने से 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी. आदेश में बिल्डिंग मालिक को 15 दिन का समय खुद तोड़ने के लिए दिया गया है. अवैध निर्माण पाए जाने पर जारी ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया है. जिस भवन में हादसा हुआ, उसे रिहायशी उपयोग के लिए मंजूरी मिली थी. बाद में वहां कोचिंग सेंटर, एनीमेशन स्टूडियो, लाइब्रेरी और दूसरी व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जाने लगीं.

(जीएनएस)।

लखनऊ. राजधानी लखनऊ की जिस बिल्डिंग में पिछले महीने हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था, उसे अगले 15 दिन में जमींदोज कर दिया जाएगा. लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) ने अलीगंज की बिल्डिंग को ध्वस्त करने का आदेश जारी कर दिया है. इसी बिल्डिंग में 22 जून को आग लगने से 15 लोगों की जान गई थी. आदेश में

बिल्डिंग मालिक को 15 दिन का समय खुद तोड़ने के लिए दिया गया है. एलडीए का कहना है कि यह समय इसलिए दिया गया है क्योंकि नियमावली में ऐसा प्रावधान है. 15 दिन में यदि भवन स्वामी खुद निर्माण नहीं तोड़ेगा तो एलडीए उसको तोड़ेगा और उस पर आने वाला खर्च भी वसूल करेगा.

भवन ध्वस्तीकरण की मंजूरी एलडीए कोर्ट की ओर से दी गई. अवैध निर्माण पाए जाने पर जारी ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया है. स्वीकृत मानचित्र के विपरीत बिल्डिंग का निर्माण किया गया है. फायर सुरक्षा में भी गंभीर खामियां मिली हैं. इससे पहले एलडीए ने बिल्डिंग को अवैध मानते हुए उसके मालिक को नोटिस जारी किया था. तब एलडीए ने कहा था कि अगर 15 दिन के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो भवन पर बुलडोजर चलाया जा सकता है. लखनऊ अग्निकांड के बाद एलडीए एक्शन में आया. जिन रेसिडेंशियल प्लॉट पर कमर्शियल एक्टिविटी चल रही थी, उन 1 हजार लोगों को भी नोटिस भेजा गया.

रिहायशी के लिए मंजूरी, लेकिन

जिस भवन में हादसा हुआ, उसे मूल रूप से रिहायशी उपयोग के लिए मंजूरी मिली थी. बाद में वहां कोचिंग सेंटर, एनीमेशन स्टूडियो, लाइब्रेरी और दूसरी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जाने लगीं. छऊअ के अधिकारियों ने पुष्टि की कि भवन को आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृति मिली थी. इसके बाद सवाल उठने लगे कि संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की.

राम मंदिर चंदा घोटाले पर मौन हैं सीएम योगी, 2027 में भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी अवधेश प्रसाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हनुमानगढ़ी में नमाज, राम मंदिर और समाजवादी पार्टी को लेकर दिए गए हालिया बयानों पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी जनहित के मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास कर रहे हैं और राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने राम मंदिर चंदा चोरी मामले में एसआईटी जांच, अखिलेश यादव के 'सनातन ही समाजवाद' है वाले बयान और बसपा प्रमुख मायावती के हालिया बयान पर भी प्रतिक्रिया दी।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हनुमानगढ़ी में नमाज, राम मंदिर और समाजवादी पार्टी को लेकर दिए गए हालिया बयानों पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी जनहित के मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास कर रहे हैं और राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने राम मंदिर चंदा चोरी मामले में एसआईटी जांच, अखिलेश यादव के 'सनातन ही समाजवाद' है वाले बयान और बसपा प्रमुख मायावती के हालिया बयान पर भी प्रतिक्रिया दी।

अवधेश प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज उनके विधानसभा क्षेत्र में गए थे, जहां से वह सात बार विधायक चुने गए और पांच बार मंत्री भी रहे। देशभर में आज जिस मुद्दे की चर्चा हो रही है, वह राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े कथित घोटाले का है। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले पर मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान एक शब्द भी नहीं कहा। लोगों के बीच राम मंदिर के चढ़ावे, दान, सोना, चांदी, हीरे-जवाहरात, नकदी और जमीन से जुड़े सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री दबाव में हैं।

अवधेश प्रसाद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने किसानों को खाद की कमी, युवाओं के पेपर लीक, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों जैसे जनसरोकार के मुद्दों पर भी कोई बात नहीं की। धान की रोपाई का समय है और किसानों को खाद नहीं मिल रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, महंगाई बढ़ रही है और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों से आम लोग परेशान हैं, लेकिन सरकार इन विषयों पर मौन है। भाजपा के पास अब कोई नया मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए पुराने विवादों को दोबारा उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2027 के विधानसभा चुनाव और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर चिंतित हैं। अवधेश प्रसाद ने दावा किया कि 2027 का विधानसभा चुनाव ऐतिहासिक होगा और भाजपा को जनता का समर्थन नहीं मिलेगा। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, सरकार की मुश्किलें बढ़ेंगी।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में एसआईटी जांच पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा सांसद ने कहा कि उन्हें इस जांच पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईटी के गठन और उसकी निष्पक्षता पर सवाल हैं। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच टीम गठित की जानी चाहिए। अवधेश प्रसाद ने यह भी मांग की कि जांच पूरी होने तक राम मंदिर ट्रस्ट को भंग किया जाए और ट्रस्ट के किसी भी सदस्य को जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं रहने दिया जाए।

लखनऊ में यातायात सिस्टम में सुधार के लिए पीडब्लूडी 69 स्थानों पर लगाएगा स्थायी बैरियर, 13 सर्किल में होंगे सुधार कार्य

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी की यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का प्रांतीय निर्माण खंड, 13 सर्किलों में स्थायी बैरियर लगाने जा रहा है। शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों, तिराहों एवं मार्गों पर यातायात संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए अस्थायी बैरियर हटाकर स्थायी बैरियर लगेंगे। इस प्रयास से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ यातायात संचालन में सुधार की उम्मीद है।

पुलिस उपायुक्त, यातायात द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि अस्थायी बैरियर लगाने से बार-बार क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। वहीं प्रांतीय निर्माण खंड एक ने सभी 69 स्थानों पर लगने वाले बैरियर की लंबाई, ऊंचाई और चौड़ाई के हिसाब से एस्टीमेट बनाने का काम शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि एक से दो माह में इस स्थायी बैरियर को लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं ने बताया कि स्थायी बैरियर बन जाने से दो पहिया वाहन जो अभी नियमों का पालन नहीं करते हैं, वह मजबूर होकर करेंगे, क्योंकि वाहन सीमेंटेड बैरियर लगने पर नहीं निकल सकेंगे। यह बैरियर 23 फीट से लेकर 288 फीट तक लगाए जाएंगे।

बनाए जाएंगे लंबाई वाले बैरियर

प्रांतीय निर्माण खंड एक के अभियंता के मुताबिक गोमती नगर के सामने, मटियारी चौराहा ब्रिज के नीचे, चिनहट चौराहा ब्रिज के नीचे से, कमता तिराहा, कमता ब्रिज के नीचे, श्रीराम टावर, सीएमएस स्कूल हुसैनगंज के सामने, महाराणा प्रताप चौराह के पास अलग-अलग लंबाई के बैरियर बनेंगे।

किसान बाजार यू टर्न सिनेपाल माल

हजरतगंज सर्किल में ला मार्टिनियर, केडी सिंह स्टेडियम मेट्रो के नीचे, मल्टीलेवल पार्किंग, अटल चौराहा हजरतगंज, विधानसभा के सामने, बर्लिंग्टन चौराहा, बादशाहनगर, वायरलेस चौराहा से सीपी आफिस, रहीम नगर चौराहा सहित कई तिराहे व चौराहे हैं।

लोक निर्माण विभाग करेगा काम

इसके अलावा गोसाईगंज क्षेत्र, कैंट क्षेत्र, काकोरी क्षेत्र, कृष्णा नगर क्षेत्र, कैसरबाग सर्किल, चौक सर्किल, गाजीपुर सर्किल, अलीगंज सर्किल, महानगर सर्किल, मोहनलालगंज सर्किल के चौराहों व सड़कों पर स्थायी बैरियर लगाने का काम लोक निर्माण विभाग करेगा।

ट्रैफिक व्यवस्था में और सुधार के लिए यातायात पुलिस की ओर से स्थायी बैरियर लगाने के लिए पत्र प्राप्त हुआ है। राजधानी के 13 सर्किलों में 69 चौराहों, तिराहों व मार्गों पर स्थायी बैरियर लगाए जाएंगे। इसके लिए एस्टीमेट की प्रकिया चल रही है। जल्द ही काम भी चौराहों पर दिखेगा। -सत्येन्द्र नाथ, अधिशासी अभियंता, प्रांतीय निर्माण खंड एक

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

आराम और गुणवत्ता देती भारत की शिल्प विरासत

इस मंच के जरिए 500 से अधिक स्थानीय कारीगरों के हुनर को सीधे वैश्विक बाजार में ले आया है। इसके अलावा विलेज व्रााफ्ट को आगे बढ़ा रहे वुशल कारीगरों द्वारा बेहद प्यार और सावधानी से बनाए गए सूती तौलिए, पारंपरिक गमछे और आरामदायक बेडशीट इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी विरासत केवल खास मौकों पर सजाने के लिए नहीं, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को आराम और गुणवत्ता देने के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक है।

भारत की धरती केवल विविधताओं का देश नहीं है, बल्कि यह सदियों पुरानी कला, संस्वृति और शिल्प कौशल का एक जीवंत कोलाज भी है। कश्मीर के पहाड़ों में बुनी जाने वाली पश्मीना शॉल से लेकर दक्षिण के तटीय इलाकों में पहने जाने वाले मुंडू वस्त्रों तक, और बनारस की गलियों में खटकती हथकरघा मशीनों से लेकर मध्य प्रदेश के चंदेरी सिल्क तक यानी भारत का हर कोना अपनी एक विशिष्ट कलात्मक पहचान रखता है।

लेकिन, इस बदलते आधुनिक युग में आधुनिक, गतिशील और डिजिटल होते जा रहे बाज़ार में इन पारंपरिक शिल्पों के सामने अपनी जगह बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती थी।

इसी चुनौती को अवसर में बदलने और भारत के ग्रामीण व दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लाखों कारीगरों को आधुनिक अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 'इंडियाहैंडमेड' डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरूआत की गई, जो आज भारत की समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं के लिए एक मजबूत 'डिजिटल इंडिया ब्रिज' बन चुका है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर देश के आर्थिक सशत्तिकरण की एक नई पटकथा भी लिख रहा है। साल 2023 में लॉन्च हुआ यह मंच भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉपरेरेशन द्वारा विकसित यह सर्मपित ई- कॉमर्स पोर्टल है, जो हमारी पारंपरिक विरासत को संरक्षित कर रहा है। 'इंडियाहैंडमेड' न केवल भारत की सांस्वृतिक और ऐतिहासिक विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर रहा है, बल्कि करीब 65 लाख शिल्पी कारीगरों को व्यापक बाजार देकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'डिजिटल इंडिया' के विजन को भी मजबूत कर रहा है।

भारत की शिल्प विरासत को वैश्विक पहचान दिलाते इस व्रांतिकारी डिजिटल 'इंडिया हैंडमेड' पोर्टल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के नारे को धरातल पर सच करता नजर आ रहा है। यह मंच केवल एक आर्थिक लेन-देन की जगह नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्वृतिक वूटनीति का भी एक मजबूत उपकरण है।

जब दुनिया के किसी दूसरे कोने में बैठा व्यत्ति इस पोर्टल से कोई हस्तर्निमित वस्तु खरीदता है, तो वह केवल एक उत्पाद नहीं खरीद रहा होता, बल्कि वह उस भारतीय कारीगर की उंगलियों के जादू, उसकी पीढ़ियों की विरासत और भारत की मिट्टी की कहानी को अपने घर ले जा रहा होता है।

जैसे-जैसे हम डिजिटल युग में आगे बढ़ रहे हैं, इंडियाहैंडमेड यह सुनिाति कर रहा है कि हमारी प्राचीन कलाएं और तकनीवें पीछे न छूट जाएं। यह मंच आधुनिकतम ई-कॉमर्स तकनीक और प्राचीनतम मानवीय कौशलों का एक अद्भुत और सफल संगम है। यह हमारे बुनकरों और शिल्पकारों को केवल जीवित रहने का साधन नहीं दे रहा, बल्कि उन्हें सम्मान, वैश्विक पहचान और समृद्धि का एक नया आसमान दे रहा है।

इंडियाहैंडमेड के माध्यम से भारत की यह अनमोल विरासत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए निरंतर आजीविका, नवाचार और गौरव का एक शाश्वत रत्रोत बनकर चमक रही है। प्रत्येक भारतीय और वैश्विक नागरिक के लिए, इस मंच से जुड़ना भारत की आत्मा और उसकी कलात्मक धड़कन से जुड़ने जैसा है।

पीएम के पीछे कैमरा लिए लड़की कर रही थी इशारे, प्रधानमंत्री भी मुड़कर देखने लगे, वीडियो वायरल

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित मार्वल स्टेडियम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में स्टेज पर पीएम मोदी के पीछे खड़ी एक महिला कैमरापर्सन हाथ से इशारा करती दिखाई देती है. इसके बाद पीएम मोदी भी पीछे मुड़कर उसकी ओर देखते हैं और महिला तुरंत उनकी तस्वीर क्लिक कर लेती है. यह वीडियो अब इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है. कार्यक्रम में करीब 30 हजार भारतीय मूल के लोग मौजूद थे. इस दौरान पीएम मोदी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों और प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर भी विस्तार से अपनी बात रखी.

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अक्सर ऐसे पल देखने को मिल जाते हैं, जो उनके भाषण से अलग सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाते हैं. ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित मार्वल स्टेडियम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते समय भी कुछ ऐसा ही हुआ. हजारों लोगों की मौजूदगी, तालियों की गूंज और भाषण के बीच अचानक मंच पर पीछे खड़ी एक महिला कैमरापर्सन ने हाथ से इशारा किया. कुछ ही सेकेंड में प्रधानमंत्री मोदी भी पीछे मुड़कर उस दिशा में देखने लगे. इसके बाद महिला ने तुरंत कैमरे से उनकी तस्वीर क्लिक कर ली. यह छोटा-सा पल अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लोग वीडियो को अलग-अलग अंदाज में शेयर कर रहे हैं और इस पल को

लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

हालांकि यह वीडियो भाषण का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, लेकिन पूरे कार्यक्रम की सबसे ज्यादा चर्चा इसी क्लिप की हो रही है. यह घटना उस समय हुई, जब पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों के विशाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी स्टेज पर मौजूद थे. कार्यक्रम में करीब 30 हजार भारतीय मूल के लोगों की मौजूदगी बताई गई. भाषण के दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंध, भारतीय समुदाय की भूमिका और दोनों देशों की साझेदारी पर भी प्रधानमंत्री ने विस्तार से अपनी बात रखी.

वीडियो का पल बना सोशल मीडिया की चर्चा

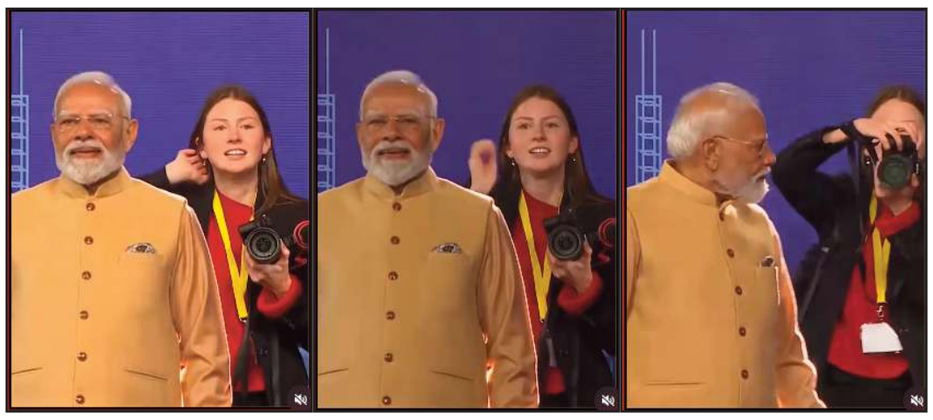

मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाषण दे रहे हैं. इसी दौरान मंच के पीछे मौजूद एक महिला कैमरापर्सन सामने की ओर हाथ से इशारा करती है. कुछ क्षण बाद प्रधानमंत्री मोदी भी पीछे मुड़कर उस महिला की ओर देखने लगते हैं. जैसे ही प्रधानमंत्री कैमरे की तरफ देखते हैं, महिला तुरंत उनकी तस्वीर क्लिक कर लेती है. यही कुछ सेकेंड का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

प्रधानमंत्री मोदी का यह कार्यक्रम भारतीय समुदाय के लिए आयोजित किया गया था, जहां हजारों लोग उन्हें सुनने पहुंचे थे. कार्यक्रम के दौरान कई बार तालियों की गड़गड़ाहट और 'मोदी-मोदी'के नारे भी सुनाई दिए. वायरल वीडियो भी इसी कार्यक्रम का बताया जा रहा है.

30 हजार लोगों ने सुना पीएम मोदी का संबोधन

कार्यक्रम में लगभग 30,000 भारतीय मूल के लोग मौजूद थे. ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी मंच से कहा कि 'मार्वल स्टेडियम ने कई बड़े कार्यक्रम देखे हैं, लेकिन इससे पहले इस तरह का आयोजन कभी नहीं देखा. स्टेडियम में दिखाई दे रही ऊर्जा भारत और ऑस्ट्रेलिया की मजबूत साझेदारी को दशार्ती है.'

पीएम मोदी ने भी भारतीय प्रवासी समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को मजबूत बनाने में भारतीय समुदाय की बड़ी भूमिका रही है. उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री की भी तारीफ की.

12 साल में तीसरी यात्रा को बताया 'हैट्रिक'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि पिछले 12 सालों में यह उनकी ऑस्ट्रेलिया की तीसरी यात्रा है. उन्होंने कहा कि यह उनकी 'हैट्रिक विजिट'है और यह भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की लगातार मजबूत होती साझेदारी का प्रतीक है. उनके इस बयान पर स्टेडियम में मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाई.

'हम भारतीय ऐसे ही हैं'

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासी समुदाय के भावनात्मक जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा, 'यहां बच्चे स्कूल से घर ऑस्ट्रेलियन टाइम के हिसाब से आते हैं, लेकिन भारत में दादा-दादी और नाना-नानी वीडियो कॉल पर उनका इंतजार कर रहे होते हैं. यहां वीकेंड होता है तो भारत से किसी शादी की लाइव स्ट्रीमिंग चल रही होती है. यानी दूरी हजारों किलोमीटर की है, लेकिन डेली रूटीन आज भी भारत से जुड़ा हुआ है.'

प्रधानमंत्री के इस बयान पर स्टेडियम में मौजूद भारतीय समुदाय ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया. उन्होंने कहा कि यही भावनात्मक रिश्ता भारत और ऑस्ट्रेलिया की दोस्ती को और मजबूत बनाता है.

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने भी की प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ

एंथनी अल्बनीज ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां भी जाते हैं, भारतीय समुदाय में उत्साह की लहर दिखाई देती है. उन्होंने कहा कि मार्वल स्टेडियम में उमड़ी भीड़ दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का प्रमाण है. अल्बनीज ने यह भी कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

महिला कैमरापर्सन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच कैमरे के लिए बने इस छोटे से पल का वीडियो अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से शेयर किया जा रहा है. कई यूजर्स इसे कार्यक्रम का सबसे दिलचस्प क्षण बता रहे हैं.

'ऑपरेशन सिंदूर' पर पीएम मोदी के बयान का नेताओं ने किया समर्थन, नए भारत की ताकत का किया जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और भारत की बढ़ती सैन्य एवं आर्थिक ताकत का उल्लेख किए जाने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी बात का समर्थन किया। भाजपा और जेडीयू नेताओं ने कहा कि नए भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है और वैश्विक स्तर पर देश की आर्थिक व सामरिक स्थिति लगातार मजबूत हुई है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 10 जुलाई (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और भारत की बढ़ती सैन्य एवं आर्थिक ताकत का उल्लेख किए जाने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी बात का समर्थन किया। भाजपा और जेडीयू नेताओं ने कहा कि नए भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है और वैश्विक स्तर पर देश की आर्थिक व सामरिक स्थिति लगातार मजबूत हुई है।

पीएम मोदी द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दिए गए बयान पर राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जब से पीएम मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, वह विकसित भारत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए मोदी सरकार ने आतंकवादी ठिकानों को ही नष्ट कर दिया। आतंकियों के ठिकानों पर हमला

किया।

उन्होंने कहा कि पहले हम सुना करते थे कि ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने मार गिराया। अब भारत ने भी देश में बैठे-बैठे मिसाइल का बटन दबाकर आतंकियों के ठिकाने नष्ट कर दिए। हमने तकनीक विकसित कर ली है। पहले हम शस्त्र बाहर से खरीदते थे, लेकिन अब अपने शस्त्र बना रहे हैं, जिन्हें दूसरे देश भी खरीदना चाहते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिल्कुल सही कहा कि भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि कूटनीतिक और रक्षा क्षेत्र में हम कितने ताकतवर हैं। हमने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी अड्डों को नष्ट कर दिया। हमारे हथियार सफल रहे हैं, जिससे कई देश इन्हें खरीदने के लिए आगे आ रहे हैं।

बिहार भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने कहा कि पहले के भारत का दौर सबको याद है, लेकिन 2014 के बाद यह नया भारत है। कोई भी शक्ति हमारी संप्रभुता और सम्मान को ठेस नहीं पहुंचा सकती और अगर ऐसा कोई करता है तो भारत ने अपनी शक्ति और पराक्रम का परिचय बार-बार दिया है, जिसे पूरे विश्व ने स्वीकार किया है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक और वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है और हमें विश्वास है कि हम जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होंगे। दक्षिणी ध्रुव (लूनर साउथ पोल) पर पहुंचने वाला भारत पहला देश है। जिस तरह चंद्रयान सफल हुआ है, उसी तरह गगनयान भी सफल होगा।

जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या के बाद भारत ने पाकिस्तान पर हमला कर दुनिया को बता दिया कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश हो सकता है, लेकिन भारत का मुकाबला करने की उसकी हैसियत नहीं है। 72 घंटे के संघर्ष के दौरान आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया, 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया और सैन्य ठिकानों को भी नष्ट किया गया। यह भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का एक शानदार अध्याय है।

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया के संकट और कोरोना काल के दौरान दुनिया को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन भारत 7 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है और जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

न कैश, ना क्रेडिट कार्ड, जानिए पीएम मोदी विदेशी दौरों पर कैसे पेमेंट करते हैं

पीएम मोदी अक्सर विदेशी संबधों को मजबूत बनाने के मकसद से विदेश दौरे पर होते हैं. इस दौरान वो कई चीजें खरीदते भी हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि वो पेमेंट कैसे करते हैं? आइये जानते हैं.

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर विदेश दौरे पर होते हैं. इस समय भी पीएम मोदी तीन देशों की यात्रा पर हैं. फिलहाल वो इस यात्रा के अंतिम चरण पर न्यूजीलैंड पहुंचे हैं. अपनी विदेश यात्राओं के दौरान पीएम मोदी अक्सर कई चीजें भी खरीदते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि पीएम विदेश में पेमेंट कैसे करते हैं? नहीं सोचा होगा ना? ना ही जानते होंगे? तो आइये हम आपको बताते हैं.

पीएम मोदी कैसे करते हैं पेमेंट्स?

पीएम मोदी साल 2018 में जब सिंगापुर के दौरा पर थे, उस दौरान उन्होंने वहां से एक मधुबनी पेंटिंग खरीदी थी. इस पेंटिंग को खरीदते समय उन्होंने RuPay कार्ड का इस्तेमाल किया था. तो वहीं अगस्त 2019 में भूटान भी उन्होंने एक आधिकारिक यात्रा के दौरान स्थानीय भूटानी हस्तशिल्प सामग्री खरीदी और RuPôy कार्ड का इस्तेमाल किया.

तो वहीं फरवरी 2024 में अबू धाबी दौरे के समय पीएम मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने भारत के वढक को यूएई के 'AANI' पेमेंट सिस्टम से और रुपे कार्ड को वहां के 'JAYWAN' कार्ड से जोड़ने की शुरूआत की थी. इस दौरान दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के कार्ड को स्वाइप कर लाइव ट्रांजेक्शन होते हुए भी देखा था.

भारतीय UPI को देते हैं बढ़ावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विदेशों में इन सामानों को खरीदने और खुद पेमेंट करने का मकसद भारतीय पर्यटकों और दुनिया को ये दिखाना होता है कि भारत की फिनटेक

तकनीकें जैसे वढक और RuPay अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पूरी तरह सुरक्षित और स्वीकृत हैं. ऐसे में भारतीय लोग भी विदेश यात्रा पर जाएं तो इन तकनीकों का ही इस्तेमाल करें, ना कि करेंसी एक्सचेंज करवाकर.

किन देशों में चलता है वढक और RuPay?

भारतीय UPI और RuPay भारत समेत फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मॉरीशस, कतर, ओमान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों में चलता है. हालांकि फ्रांस के कुछ हिस्सों में RuPôy नहीं चलता है, लेकिन कुछ

क्या भारत बना पाएगा अपना स्पेस स्टेशन? कितना आएगा बनाने में खर्चा? अब तक किन-किन देशों के पास?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के स्पेस सेक्टर को लेकर अपना विजन दुनिया के सामने रखा। मेलबर्न में आयोजित इवेंट में भारतीय लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत चंद्रयान मिशन की सफलता पर रुकने वाला नहीं है। भारत अब गगनयान 'ूमन स्पेसफ्लाइट मिशन और खुद का स्पेस स्टेशन बनाने जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम कर रहा है। पीएम मोदी इस वक्त ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंडोनेशिया के तीन देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने करीब 30,000 भारतीयों के सामने साफ कहा कि भारत का स्पेस मिशन "ग्रो

मोर-अचीव मोर" के मोटो पर चल रहा है। ऐसे में जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर एक स्पेस स्टेशन कितने रुपए में बनता है, कितना खर्चा आता है और ये है किस काम का।

भारत लॉन्च कर रहा पहला ऑर्बिटल रॉकेट

पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय प्राइवेट एयरोस्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने अपने विक्रम-1 ऑर्बिटल रॉकेट की टेस्ट फ्लाइट का एलान किया है। 'मिशन आगमन' नाम का यह प्रोजेक्ट भारत के प्राइवेट स्पेस सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है क्योंकि यह देश का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च होगा। कंपनी के मुताबिक, सतीश धवन स्पेस सेंटर के फर्स्ट लॉन्च पैड (ऋछढ) पर रॉकेट को पूरी तरह असेंबल कर लिया गया है। इसका लॉन्च विंडो 12 जुलाई से 4 अगस्त 2026 के बीच तय किया गया है, जिसका मकसद पेलोड को 450 किलोमीटर की लो अर्थ ऑर्बिट में 60-डिग्री के झुकाव पर स्थापित करना है।

मौजूदा वक्त में ISS और तियानगोन्ग दो स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में काम कर रहे हैं। जिसमें से क्रर अमेरिका, रूस, यूरोप, कनाडा और जापान का साझा स्पेस स्टेशन है, जबकि तियानगोन्ग चीन का अकेले स्वामित्व वाला स्पेस स्टेशन है जो 2022 से स्पेस में काम कर रहा है। ऐसे में आप समझ सकते हैं कि एक स्पेस स्टेशन को बनाने और उसे चलाने में कितना खर्च आता है।

क्या-क्या है स्पेस स्टेशन के भीतर?

ठअरअ की वेबसाइट के मुताबिक क्रर 109 मीटर लंबा स्पेस स्टेशन है जो 4,19,725 किलोग्राम का है। जो सोलर एनर्जी से चलता है। इसके सोलर पैनल आकार में इतने बड़े हैं कि 1 एकड़ के खेत को कवर कर लें। इस स्पेस स्टेशन में रहने के लिए 7 स्लीपिंग केबिन (क्वार्टर), दो टॉयलेट, एक जिम और एक खिड़की है जिससे धरती का 360 डिग्री का नजारा मिलता है। यह स्पेस स्टेशन धरती से 402 मीटर की ऊंचाई पर घूमता रहता है जो धरती की कुल आबादी के 90 प्रतिशत हिस्से को कवर कर लेता है।

एक स्पेस स्टेशन बनाने और चलाने में कितना आता है खर्च?

NASA की रिपोर्ट के मुताबिक उसे क्रर चलाने में हर साल तकरीबन 3 बिलियन डॉलर (लगभग 29 हजार करोड़ भारतीय रुपए) का खर्चा आता है। जबकि इसे बनाकर लॉन्च करने में तकरीबन 150 बिलियन डॉलर (लगभग 14.3 लाख करोड़ भारतीय रुपए) का खर्च आता है।

इस मानसून सत्र में नहीं पेश होगा वन नेशन वन इलेक्शन बिल! सरकार को करना होगा इंतजार, जेपीसी कब सौंपेंगी रिपोर्ट?

(जीएनएस)।

देश में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सरकार को थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों की समीक्षा कर रही संयुक्त संसदीय समिति इस मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट संसद में नहीं पेश कर पाएगी।

गौरतलब है कि लोकसभा ने समिति का समय मॉनसून सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ा दिया था, लेकिन काम अभी अधूरा है। मॉनसून सत्र जुलाई के तीसरे हफ्ते में शुरू होने वाला है और संयुक्त संसदीय समिति को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लिए और समय है।

समिति की क्या स्थिति है, किन विधेयकों की समीक्षा कर रही है खढउ?

भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता में बनी 39 सदस्यों वाली यह समिति दो अमह बिलों पर काम कर रही है। पहला-संविधान (129वां संशोधन) बिल 2024 और दूसरा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल 2024। ये विधेयक एक बार दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किए जा चुके हैं।

समिति अब तक 10 राज्यों का दौरा कर चुकी है। बुधवार को दिल्ली विधानसभा जाकर वहां लोगों से बात करेगी। कई और राज्यों में अभी दौरा बाकी है। समिति के चेयरमैन ने संकेत दिया है कि भले ही कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाए, लेकिन 2034 से पहले एक साथ दोनों चुनाव को कराने के आसार कम दिख रहे हैं।

डेलिमिटेशन बिल के साथ जोड़ने की कोशिश

खबरों के मुताबिक-वन नेशन वन इलेक्शन बिल के साथ ही साथ सरकार इस बार मॉनसून सत्र में डेलिमिटेशन (सीटों की नई सीमाएं तय करना) का बिल भी पास कराने की तैयारी कर रही है। एक्सप्रेस कि रिपोर्ट बताती है कि दोनों मुद्दों को साथ जोड़कर इखढ ज्यादा समर्थन जुटाने की कोशिश हो रही है।

ध्यान रहे कि बजट सत्र 2026 में केंद्र सरकारी की पूरी कोशिशि के बावजूद भी महिला आरक्षण से जुड़ा डेलिमिटेशन बिल विपक्ष की एकजुटता के कारण लोकसभा में पास नहीं हो सका था। अब सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण लागू करने के लिए यह बिल पास कराना चाहती है। इसके लिए ठऊअ को लोकसभा में 360 वोट यानी दो-तिहाई बहुमत की जरूरत पड़ेगी।

आखिर मोदी सरकार क्यों चाहती है एक साथ चुनाव?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर केंद्र सरकार डल्ली ठं३ङ्गल्ल डल्ली ए'ौ३ङ्गल्ल की इतनी पक्षधर क्यों है? जबकि विपक्ष लगातार इसका विरोध कर रहा है। इसके जवाब में सरकार का तर्क है कि बार-बार चुनाव होने से खर्च काफी बढ़ जाता है। जिसका असर सरकारी बजट पर भारी पड़ता है। वहीं दूसरी ओर हर चुनाव के दौरान लागू होने वाली आचार संहिता के कारण राज्यों और शहरों में विकास कार्यों और नीतिगत फैसलों पर असर पड़ता है।

सरकार बार-बार अपनी सफाई पेश करते हुए बता रही है कि यदि पूरे देश में एक साथ चुनाव होंगे तो चुनावों पर होने वाला खर्च कम होगा और प्रशासनिक संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। जिससे सरकारें विकास और प्रशासन पर अधिक ध्यान दे सकेंगी।

विपक्ष क्यों कर रहा है इसका विरोध?

क्ल्र्ळ् गठबंधन एकजुट होकर एक राष्ट्र एक चुनाव का लगातार विरोध कर रही है। कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर फेडरल स्ट्रक्चर पर प्रहार करने का आरोप लगा रही है। विपक्ष का कहना है कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' भारत की संघीय व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

विपक्ष का तर्क है कि यदि किसी राज्य सरकार का कार्यकाल बीच में समाप्त हो जाए तो संवैधानिक संकट पैदा हो सकता है। अगर किसी राज्य में सरकार गिर गई तो क्या पूरे देश में नए चुनाव कराए जाएंगे? यह सवाल भी उठाया जा रहा है। इसी वजह से विपक्ष इस प्रस्ताव पर व्यापक चर्चा और संवैधानिक समीक्षा की मांग कर रहा है।

क्या है एक देश-एक चुनाव का मतलब?

'वन नेशन वन इलेक्शन' यानी एक देश, एक चुनाव का मतलब है कि पूरे भारत में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक ही समय पर हों। अभी इस पर सभी राज्यों कि स्थिति अलग-अलग थी। हर साल कहीं लोकसभा, कहीं विधानसभा, कहीं पंचायत के चुनाव चलते रहते हैं। गौरतसब है कि इस प्रक्रिया में संवैधानिक संशोधन, राज्यों की सहमति, एउ की तैयारियां और राजनीतिक सहमति शामिल हैं। इसलिए इसे लागू करने में अभी कई साल लग सकते हैं।

पलटवारः सीएम योगी के 'नमाज' वाले बयान पर बरसी सपा, नितिन नवीन की रैली में 'हनुमान' के नृत्य पर उठाया सवाल

(जीएनएस)।

लखनऊ, राम मंदिर दान चोरी विवाद सामने आने के बाद पहली बार अयोध्या पहुंचे सीएम योगी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए पिछली सरकारों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि आज जो लोग आस्था की बात करते हैं, उन्होंने हमारे पवित्र हनुमान गढ़ी पर 'नमाज' तक पढ़वाई थी। जरा सोचिए, क्या कभी कोई जामा मस्जिद के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ कर सकता है?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछली सरकारों पर हनुमान गढ़ी मंदिर में 'नमाज' पढ़वाने का आरोप लगाने के बाद राज्य में सियासी घमासान तेज हो गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद सनातन पांडेय ने मुख्यमंत्री के इस बयान पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने लखनऊ में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया रोड शो का जिक्र करते हुए उस वायरल वीडियो पर सवाल उठाए, जिसमें भगवान हनुमान का रूप धरे एक कलाकार को नृत्य करते हुए दिखाया गया था।

क्या कहा था मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने?

राम मंदिर दान चोरी विवाद सामने आने के बाद पहली बार अयोध्या पहुंचे सीएम योगी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए पिछली सरकारों पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि आज जो लोग आस्था की बात करते हैं, उन्होंने हमारे पवित्र हनुमान गढ़ी पर 'नमाज' तक पढ़वाई थी। जरा

सोचिए, क्या कभी कोई जामा मस्जिद के अंदर हनुमान चालीसा का पाठ कर सकता है? क्या कोई सरकार, समाजवादी पार्टी या कांग्रेस ऐसा करवा सकती है? अगर नहीं, तो हनुमान गढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप क्यों होने दिया गया? इसके लिए कौन जिम्मेदार था?"

माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री का इशारा नवंबर 2003 की एक घटना की तरफ था, जब हनुमान गढ़ी के बाहर नमाज पढ़ने का कथित प्रयास किया गया था, हालांकि स्थानीय पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी थी।

सपा सांसद सनातन पांडेय का पलटवार

मुख्यमंत्री के इस बयान का जवाब देते हुए सपा सांसद सनातन पांडेय ने भाजपा पर ही भगवान राम और हनुमान के अपमान का आरोप मढ़ दिया। नितिन नवीन के लखनऊ दौरे का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग भगवान राम और भगवान हनुमान के विरोधी हैं। जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लखनऊ आए, तो उनके सामने भगवान हनुमान (का रूप धरे कलाकार) को नचाया जा रहा था। ये आरएसएस और भाजपा के नेता कौन होते हैं यह दावा करने वाले कि वे भगवान राम और हनुमान को समझते हैं?

दान चोरी का आरोप

पांडेय ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा के लोगों ने कभी लोगों की आस्था का सम्मान नहीं किया। उनका काम सिर्फ झूठ फैलाना, आस्था के नाम पर चंदा इकट्ठा करना और फिर उसमें चोरी करना है।

'सनातन ही समाजवाद है'

सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के उस बयान का समर्थन करते हुए, जिसमें उन्होंने 'सनातन को समाजवाद के बराबर' बताया था, सनातन पांडेय ने कहा, "अखिलेश यादव बिल्कुल सही हैं। यह देश सिर्फ हिंदुओं या मुसलमानों का नहीं है। यह सनातन धर्म की भूमि है, जिसने हमेशा एकता और सामाजिक सद्भाव के लिए काम किया है।" उन्होंने आगे जोड़ा कि सनातन धर्म ने जातिगत बाधाओं को तोड़ा है और इसमें ब्राह्मण समुदाय की बड़ी भूमिका रही है।

अवधेश प्रसाद ने भी साधा निशाना

सपा के एक और वरिष्ठ सांसद अवधेश प्रसाद ने भी सीएम योगी के बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने विकास, सड़कों या अस्पतालों पर कोई बात नहीं की। प्रसाद के मुताबिक, मुख्यमंत्री की चिंता सिर्फ इतनी है कि एक नेता के रूप में उनकी जो छवि बनी है, वह कमजोर न हो जाए। यही कारण है कि वे इस तरह के बेबुनियाद बयान दे रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जन्मदिन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को दी बधाई, बताया-करोड़ों देश वासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने उनको करोड़ों लोगों का प्रेरणास्रोत बताया।

देश के रक्षा मंत्री और लखनऊ से लोकसभा के सदस्य राजनाथ सिंह के जन्मदिन पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य ने उनके दीर्घायु होने की कामना की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने एक्स हैंडिल पर लिखा 'प्रखर वक्ता एवं जनप्रिय राजनेता, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपका सरल व्यक्तित्व, विनम्र व्यवहार और राष्ट्रहित के प्रति अटूट समर्पण करोड़ों देश वासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रभु श्री राम से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लिखा कि लोकप्रिय नेता,प्रखर वक्ता, हम सभी के संरक्षक देश के यशस्वी रक्षा मंत्री एवं भगवान लक्ष्मण जी की पावन धरा लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हम ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन की मंगल कामना करते हैं।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने भी राजनाथ सिंह को बधाई दी और लिखा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं माननीय केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह जी आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम जी आपको उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें, यही प्रार्थना है।

कर्मभूमि बनाकर लखनऊ के ही हो गए राजनाथ

आंखों में वैभव के सपने, पग में तूफानों की गति हो... दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की इस पंक्ति को सूत्रधार मानते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में काम किया। 10 जुलाई 1951 में चंदौली में जन्मे, लेकिन लखनऊ को कर्मभूमि बनाने वाले राजनाथ सिंह ने शिखर को छूने का काम किया है।

अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत संभालने वाले राजनाथ सिंह ने तीसरी बार लखनऊ से संसद तक का सफर तय किया। गृह मंत्री के बाद अब रक्षा मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वाले राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र को कभी नहीं भूलते हैं। वह समय-समय पर यहां आते रहते हैं। एक-एक कार्यकर्ता और शहरवासियों से मिलते हैं और दुख-सुख में साथ खड़े रहते हैं।

अगर किसी कार्यकर्ता के घर कोई दुखद समाचार मिलता है तो फोन कर शोक जताते हैं और लखनऊ आने पर उसके घर अवश्य जाते हैं। संबंधों को खास तव्वजों देने वाले राजनाथ सिंह जब भी आते हैं, शहरवासियों की झोली में कोई न कोई योजना दे जाते हैं। उनकी दीर्घकालीन सोच का ही असर है कि अब लखनऊ से कानपुर का सफर कम समय में तय हो सकेगा, जिसके लिए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे तैयार किया गया।

इसका शुभारंभ 13 जुलाई को हो जाएगा। आउटर रिंग रोड से लेकर लखनऊ में फ्लाईओवरों का जाल बिछाने में उनकी खास भूमिका रही है, जो लखनऊ की यातायात के लिए मील का पत्थर साबित हुआ था। इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के साथ ही शहर को मिली हर किसी योजना में उनकी अहम भूमिका रहती है।

सीएम योगी से मिलकर यह मुद्दा उठाने वाले थे बीजेपी नेता चंद्रमणि पांडेय, पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट!

बस्ती बीजेपी नेता चंद्रमणि पाण्डेय का कहना है कि वे सीएम योगी आदित्यनाथ से केवल मिलना चाहते थे और विरोध करने का उनका कोई प्लान नहीं था. इसके बावजूद उन्हें हाऊस अरेस्ट किया गया जो कि गलत है.

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में आज (शुक्रवार, 10 जुलाई) को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दौरा है. सीएम योगी के आने से पहले एक बड़ी खबर सामने आ रही है. यहां बीजेपी के ही एक नेता को हाउस अरेस्ट कर लिया गया है. बताया जा रहा है कि बीजेपी जिला कार्यसमिति के सदस्य चंद्रमणि पाण्डेय को यूपी पुलिस ने नजरबंद किया है.

दरअसल, सीएम योगी के स्वागत के लिए और उनके साथ मंच पर रहने के लिए नेताओं की जो लिस्ट जारी हुई थी, उसमें चंद्रमणि पाण्डेय का भी नाम था. जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने सीएम के प्रस्थान के दौरान ड्यूटी लगाई थी.

हाउस अरेस्ट होने पर क्या बोले चंद्रमणि पाण्डेय

इस बीच चंद्रमणि पाण्डेय ने कहा कि उनका विरोध करने का कोई प्लान नहीं था. बिना किसी प्रस्तावित विरोध के ही उन्हें नजरबंद किया गया है. वे बस मनोरमा सफाई को लेकर बात सीएम योगी से बात करना चाहते थे. चंद्रमणि पाण्डेय ने नाराजगी जताते हुए यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन पर बीजेपी के कार्यकर्ता हाउस अरेस्ट होंगे तो जनहित की बात कैसे होगी.

'हाउस अरेस्ट करने के पीछे प्रशासनिक चूक'

बीजेपी नेता का कहना है कि उन्हें नजरबंद करने के पीछे प्रशासन की कोई चूक होगी. प्रशासन शायद यह नहीं जान पाया कि चंद्रमणि पाण्डेय बीजेपी के जिला कार्यसमिति के सदस्य हैं. या तो फिर वह अपनी बड़ी नाकामी को छुपाना चाहता है. मनोरमा सफाई को लेकर जिला प्रशासन के स्तर पर अब तक क्या किया गया, पता नहीं चला. नेता का कहना है कि वह कोई धरना देने नहीं जा रहे थे. केवल इस मुद्दे पर सीएम को ज्ञापन सौंपना चाहते थे. अगर अपनी ही सरकारी में कार्यकर्ता और पदाधिकारी अपने मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री से जनहित की समस्याओं को नहीं उठाएंगे तो कब उठाएंगे?

लखनऊ : आरटीई एडमिशन में आनाकानी कर रहे प्राइवेट स्कूलों को चेतावनी, बैठक में नहीं आए प्रबंधक

लखनऊ के निजी स्कूल आरटीई के तहत गरीब बच्चों को प्रवेश देने में लगातार उदासीनता दिखा रहे हैं। बीएसए ने गैर-हाजिर प्रबंधकों को कार्रवाई की चेतावनी दी। सोमवार तक प्रवेश न होने पर पांच लाख का जुमार्ना।

(जीएनएस)।

लखनऊ। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को प्रवेश देने में निजी विद्यालयों की उदासीनता लगातार बनी हुई है। हालात यह हैं कि नोटिस पर

नोटिस जारी होने के बावजूद कई स्कूल प्रशासन नियमों का पालन करने को तैयार नहीं हैं।

इस लापरवाही से अभिभावकों को कार्यालयों और विद्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। शुक्रवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार ने शिकायत करने वाले 12 अभिभावकों और संबंधित विद्यालयों के प्रबंधकों को बुलाया था।

बीएसए ने बताया कि छह प्रबंधक ही आए थे, बाकी को चेतावनी दी गई है। सोमवार तक प्रवेश नहीं लेते हैं तो कार्रवाई की जाएगी। राजधानी में निजी विद्यालयों में आरटीई के तहत करीब 12 हजार बच्चों के दाखिले हो चुके हैं। इससे पहले 44 विद्यालयों को चेतावनी दी गई थी। प्रवेश न लेने पर पांच लाख का जुमार्ने का प्राविधान है।

अवध फाउंडेशन लखनऊ में संगोष्ठी करेगा:कमजोर होते पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक मूल्यों को मजबूत बनाने पर चर्चा

(जीएनएस)।

लखनऊ में अवध फाउंडेशन 'परिवार एवं सामाजिक संबंधों का वर्तमान स्वरूप' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन करेगा। यह संगोष्ठी जानकीपुरम सेक्टर-एफ स्थित फाउंडेशन के कार्यालय सभागार में शाम 4 बजे से शुरू होगी। इसका मुख्य उद्देश्य बदलते समय में कमजोर होते पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक मूल्यों को मजबूत बनाना है। कार्यक्रम का मार्गदर्शन स्वामी धीरेन्द्र वशिष्ठ करेंगे।

फाउंडेशन के अध्यक्ष सूरजदेव शुक्ल ने प्रेसवार्ता में बताया कि संगोष्ठी में कई वक्ता अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इनमें काशीनाथ पाण्डेय, जी.आर.पी. शुक्ल, शिवकुमार पाण्डेय और षष्ठ कुमार शुक्ल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिवार की बदलती भूमिका, सामाजिक चुनौतियों और रिश्तों में बढ़ती दूरियों पर गंभीर चर्चा करना है।

परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई

शुक्ल ने आगे कहा कि वर्तमान समय में परिवार समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है, लेकिन बदलती जीवनशैली, बढ़ती व्यस्तता और सामाजिक विकृतियों के कारण पारिवारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इन विषयों पर समाज को संवेदनशील बनाने और समाधान खोजने के लिए ऐसे संवाद आवश्यक हैं।

संगोष्ठी में इस बात पर विचार-विमर्श किया जाएगा कि पारिवारिक रिश्तों को कैसे मजबूत बनाया जाए। साथ ही, परिवारों में आपसी विश्वास और संवाद को कैसे बढ़ाया जाए तथा सामाजिक बुराइयों के प्रभाव को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इस पर भी चर्चा होगी। विशेषज्ञ इन विषयों पर अपने अनुभव और सुझाव साझा करेंगे।

प्रमुख गतिविधियां शामिल हैं

सूरजदेव शुक्ल ने बताया कि यह आयोजन फाउंडेशन की नियमित सामाजिक गतिविधियों का हिस्सा है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि जुलाई के अंत तक एक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। संस्था भविष्य में शिक्षा, बाल प्रतियोगिताओं, स्वास्थ्य शिविरों, नारी सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता जैसे विभिन्न विषयों पर भी कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसका उद्देश्य समाज के समग्र विकास में सक्रिय योगदान देना है।

लखनऊ क्यों बनता जा रहा है खाने के लिए सबसे मशहूर शहरों में से एक?

..

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को 'नवाबों का शहर' भी कहा जाता है। यह शहर अपने ऐतिहासिक स्थलों के साथ-साथ अपने खाने के लिए भी मशहूर है।

यहां की खाने की संस्कृति में पारंपरिक और आधुनिक स्वाद का अनोखा मेल है। लखनऊ का खाना न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसकी खुशबू भी आपको मंत्रमुग्ध कर देती है।

आइए जानते हैं कि लखनऊ तेजी से खाने का केंद्र क्यों बनता जा रहा है।

कुलचा और निहारी का अनोखा स्वाद

लखनऊ की कुलचा और निहारी का स्वाद बहुत ही खास है। तंदूर में पकाए जाने वाले ये कुलचे बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम होते हैं।

वहीं, निहारी को धीमी आंच पर कई घंटों तक पकाया जाता है, जो एक तरह का सालन होता है। इसकी खुशबू और स्वाद ऐसा है कि एक बार चखने के बाद आप इसे भूल नहीं पाएंगे।

इस संयोजन का मजा लेने के लिए लखनऊ के पुराने इलाकों में जरूर जाएं।

अवधी बिरयानी और कबाब

अवधी बिरयानी और कबाब भी लखनऊ की खाने की सूची में शामिल हैं। अवधी बिरयानी चावल और मसालों का अनोखा मेल है, जो इसे बेहद स्वादिष्ट बनाता है।

वहीं, कबाब, खासकर गलावत और सींक कबाब, खाने वालों को बहुत पसंद आते हैं। इनका स्वाद इतना बेहतरीन है कि ये किसी भी खाने के साथ खाए जा सकते हैं।

इनका असली मजा रुमाली रोटी या फिर करारे मुगलई पराठों के साथ आता है।

मिठाइयों का जायका

लखनऊ की मिठाइयां भी बहुत मशहूर हैं, खासकर मलाई गिलौरी, काली गाजर का हलवा और जलेबी आदी। इन मिठाइयों का जायका ऐसा है कि आप इनका स्वाद कभी भूल नहीं पाएंगे।

इन मिठाइयों को बनाने में खास तरीके का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है। इन मिठाइयों का आनंद लेने के लिए लखनऊ जरूर जाना चाहिए।

यहां की पुरानी दुकानों से ही इन मिठाइयों का आनंद लेना चाहिए।

चाट-पकौड़ी

लखनऊ की चाट-पकौड़ी भी बहुत ही मशहूर हैं। आलू टिक्की, पापड़ी चाट, दही बड़ा और बताशे आदि यहां की खासियत हैं, जिनका स्वाद आपको कहीं और नहीं मिलेगा।

47 शिक्षकों को छात्रावासों की अतिरिक्त जिम्मेदारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न छात्रावासों के अतिरिक्त चीफ प्रोवोस्ट, प्रोवोस्ट और सहायक प्रोवोस्ट की नियुक्ति संबंधी आदेश जारी किया है। कुलपति की स्वीकृति से इन शिक्षकों को उनके विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त छात्रावास प्रशासन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विवि की ओर से जारी आदेश के अनुसार, प्रो. आशीष अवस्थी को सभी छात्रावासों का चीफ प्रोवोस्ट नियुक्त किया गया है। पुराने परिसर के छात्रावासों के लिए प्रो. महेंद्र कुमार और प्रो. बबीता जायसवाल, जबकि नए परिसर के बॉयज व गर्ल्स हॉस्टल के लिए प्रो. आलोक कुमार यादव और डॉ. कालिंदी को एडिशनल चीफ प्रोवोस्ट बनाया गया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के आचार्य नरेंद्र देव हॉल, बलरामपुर हॉल, बीरबल साहनी हॉल, चंद्रशेखर

आजाद हॉल, डॉ. भीमराव आंबेडकर लॉ हॉल (द्वितीय परिसर), गंगा हॉल (द्वितीय परिसर), गोल्डन जुबिली हॉल, हबीबुल्लाह हॉल, एचजेबी लॉ हॉल, एचजेआर लॉ हॉल, कैलाश गर्ल्स हॉल, कौटिल्य बॉयज हॉल, लावण्या हॉल, लाल बहादुर शास्त्री हॉल, महमूदाबाद हॉल, निवेदिता मैनेजमेंट गर्ल्स हॉल, प्रो. आरएस बिष्ट हॉल, सुभाष हॉल तथा तिलक हॉल के लिए संबंधित शिक्षकों को प्रोवोस्ट और असिस्टेंट प्रोवोस्ट के रूप में नामित किया गया है। सभी नियुक्तियां शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रभावी होंगी तथा संबंधित शिक्षक अपने विभागीय दायित्वों के साथ-साथ छात्रावासों में अनुशासन, सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था के संचालन की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।

यूपी को मिली रफ्तार, सीएम योगी ने परियोजनाओं को दी हरी झंडी

उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) की 300 किमी आउटर रिंग रोड और 187 किमी नमो भारत कॉरिडोर सहित कई अहम परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई .

लखनऊ। राज्य राजधानी क्षेत्र (एससीआर) की कई अहम परियोजनाओं को विभागीय स्तर पर सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। 300 किलोमीटर लंबे एससीआर आउटर रिंग रोड, कानपुर से अयोध्या तक 187 किलोमीटर लंबे नमो भारत कॉरिडोर, 151 किलोमीटर की रिंग रेल, बछरावां (रायबरेली) और संडीला (हरदोई) में औद्योगिक क्लस्टर व लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे कॉरिडोर के ओरिएंटेड डेवलपमेंट जैसी परियोजनाएं को रफ्तार मिल सकेगी।

इन प्रस्तावों की विस्तृत रिपोर्ट लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने तैयार कर शासन को भेजा था, मुख्यमंत्री की सहमति मिलने के बाद अब इन पर क्रियान्वयन शुरू होगा।

असल में, आवास विभाग सहित अन्य विभागों का शासन स्तर पर अंतर विभागीय प्रस्तुतीकरण हुआ। दो दिन चली बैठक में कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। सबसे बड़ी परियोजना हाई स्पीड रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) के तहत प्रस्तावित 187 किलोमीटर लंबा नमो भारत कॉरिडोर है।

32 हजार करोड़ की लागत से बनने वाला यह कॉरिडोर कानपुर के नयागंज से अयोध्या तक जाएगा। इसे दो चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में नयागंज से अमौसी तक 67 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनेगा।

परियोजना के तहत कुल 12 स्टेशन प्रस्तावित

परियोजना के तहत कुल 12 स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें नयागंज, उन्नाव, बसीरतगंज, नवाबगंज, बंथरा, अमौसी, सुशांत गोल्फ सिटी, जुग्गौर, बरेल, सफदरगंज, भिटरिया और अयोध्या शामिल हैं। यह कॉरिडोर कानपुर, लखनऊ और अयोध्या के बीच यात्रा का समय बचाएगा।

बैठक में एससीआर क्षेत्र के छह जिलों लखनऊ, रायबरेली, बाराबंकी,

सीतापुर, उन्नाव और हरदोई को जोड़ने वाले 300 किलोमीटर लंबे आउटर रिंग रोड का पहले चरण में 105 किलोमीटर सड़क का निर्माण 2,100 करोड़ की लागत से होगा, दूसरे चरण में 195 किलोमीटर हिस्से के लिए 3,900 करोड़ खर्च होंगे। ऐसे ही एससीआर क्षेत्र के चारों ओर 151 किलोमीटर लंबी रिंग रेल परियोजना के पहले चरण में 63 किलोमीटर और दूसरे चरण में 88 किलोमीटर रेल लाइन विकसित की जाएगी।

बैठक में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए बछरावां को स्पेशल इनवेस्टमेंट रीजन और संडीला को विस्तारित औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। बछरावां में ऑटोमोबाइल, बिल्डिंग मैटेरियल, सेरेमिक, फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा।

यहां पहले चरण में 12,500 करोड़ और दूसरे चरण में 13,500 करोड़ निवेश का प्रस्ताव है। वहीं, संडीला में फूड प्रोसेसिंग, पेय पदार्थ, केमिकल, पैकेजिंग, टेक्सटाइल और लॉजिस्टिक्स उद्योगों के लिए पहले चरण में 6,250 करोड़ और दूसरे चरण में पांच हजार करोड़ खर्च किए जाएंगे।

किया जाएगा व्यावसायिक और औद्योगिक विकास

इसी तरह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे कॉरिडोर के ओरिएंटेड डेवलपमेंट के तहत एक्सप्रेसवे के दोनों ओर आवासीय, व्यावसायिक और औद्योगिक विकास किया जाएगा।

नवाबगंज बर्ड सेंचुरी के संरक्षण व पर्यटन विकास, स्टेट म्यूजियम के पुनर्विकास, दुबग्गा-वरुण विहार क्षेत्र में इंटीग्रेटेड एग्री-ट्रेड, फूड चेन और लॉजिस्टिक हब, नैमिषारण्य को आध्यात्मिक-आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने की 750 करोड़ की परियोजना, सीतापुर में मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल तथा उन्नाव और गोसाईंगंज में नए ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करने के प्रस्तावों पर भी सहमति बनी है।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया, इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने के बाद एससीआर क्षेत्र में परिवहन, उद्योग, पर्यटन, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। पूरा क्षेत्र आने वाले वर्षों में प्रदेश की आर्थिक वृद्धि का नया केंद्र बनकर उभरेगा। विभागीय स्तर पर इन मुद्दों पर सहमति बन गई है अब कुछ दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी मिलने पर काम आगे बढ़ेगा।